भक्त तेरा बनूँगा कभी ना कभी

भजन के शब्द :
भक्त तेरा बनूँगा कभी ना कभी ।
तेरी पूजा करूँगा कभी ना कभी ।।

मैं पतित हूँ तो प्रभु हो पतित पावना ।
दीनवत्सल है तू दीन हूँ मोहना ।।
नाथ ले लो शरण में कभी ना कभी ।
तेरी पूजा करूँगा...

है अधम का उद्धारक तो मैं हूँ अधम ।
पापियों को तू तारा मैं जानूँ मरम ॥
तार दोगे अगर तुम कभी ना कभी ।
तेरी पूजा करूँगा...

भीलनी गीध-गणिका को भी तारता ।
दुष्ट को मारकर कान्त उद्धारता ॥
है ये भक्तों की इच्छा कभी ना कभी ।
तेरी पूजा करूँगा कभी ना कभी ।।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33937/title/bhakt-tera-banunga-kabhi-na-kabhi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |